# MASA-02

## June - Examination 2017

## M.A. (Previous) Sanskrit Examination

## ललित साहित्य एवं नाटक

## Paper - MASA-02

**Time : 3 Hours ]** **[ Max. Marks :- 80**

**Note:** The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

**निर्देश :** यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

**Section - A** **$8 \times 2 = 16$**

**खण्ड – 'अ'**

(अति लघूत्तरात्मक प्रश्न (अनिवार्य))

**निर्देश :** सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) 'मेघदूत' के प्रारंभ में किस आश्रम गिरि का वर्णन है?

(ii) मेघदूत किस रस का काव्य है?

(iii) वैदर्भी रीति के कौन से कवि हैं?

(iv) ''अभिज्ञान शाकुंतलम्'' में किस की प्रणय कथा है?

(v) 'शूद्रक' ने किस प्रसिद्ध नाट्य की रचना की?

(vi) ''मृच्छकटिकम्'' नाटक के प्रतिनायक का नाम बताइये?

(vii) ''मृच्छमटिकम्'' की कथावस्तु किस प्रकार की है?

(viii) 'श्रृंगार' रस के स्थायी भाव का नाम लिखिये।

## Section - B $4 \times 8 = 32$

## (खण्ड – ब)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) (i) धूमज्योतिः सलिलमरुतां सन्निपातः क्व मेघः
सन्देशार्थाः क्व पटुकरणैः प्राणभिः प्रापणीयाः।
इत्यौत्सुक्याद परिगणयन् गुह्यकस्तं ययाचे
कामार्तां हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु।।

(ii) सुखं च दुःखान्भूय शोभते,
धनान्धकारेष्विव दीप दर्शनम्।।
सुखात्तु यो याति नरो दरिद्रतां
धृतः शरीरेण मृतः स जीवति।।

3) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिये।

(i) शपान्तो मे भुजगशयनादुत्थिते शर्ङ्गपाणौ
शेषान्मासान्गमय चतुरो लोचने मीलयित्वा।
पश्चादावां विरहगणितं तं तामात्माभिलाषं
निर्वेक्ष्याणः परिणतशरच्चन्द्रिकासु क्षपासु।।

(ii) यथा यथेदं निपुणं विचार्यते,
तथा तथा संकटमेव हरयते।
अहो सुसन्ना व्यवहारनीतयो,
मतिस्तु गौ पंकगतेव सीदति।।

4) 'उपमा कालिदासल्य' पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिये।

5) मुद्राराक्षस की वस्तु पर संक्षिप्त लेख लिखिए।

6) 'दशरूपक' के आधार पर दस रूपको टिप्पणी लिखिए।

7) कालिदास की काव्य शैली पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8) नाट्य को परिभाषित कर टिप्पणी लिखिए।

9) 'मेघे माघे गतं वय:' पंक्ति की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

## Section - C $2 \times 16 = 32$

## (खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश :** किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) चारुदत्त और वसन्तसेना का चरित्रचित्रण कीजिये।

11) नाट्य रसों की सविस्तार चर्चा कीजिये।

12) 'मृच्छकटिक में शूद्रक द्वारा वर्णित सामाजिक स्थिति पर परिचयात्मक लेख लिखिए।

13) कालिदास की नाट्यकला पर लेख लिखिए।

———